अंतर्राष्ट्रीय शरदोत्सव में उमड़े देश विदेश से आए हजारों श्रद्धालु

प्रणामी संप्रदाय का विश्व का एकमात्र तीर्थस्थल है पन्ना

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अक्टूबर। प्रणामी सम्प्रदाय के प्रमुख तीर्थ पद्मावतीपुरी धाम पन्ना में अन्तर्राष्ट्रीय शरदपूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर देश विदेश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। महामति श्री प्राणनाथ जी मंदिर में शरदपूर्णिमा की रात भक्ति भाव में डूबे श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाते हुए खूब नृत्य किया।

जैसे ही मध्य रात्रि में बंगला जी दरबार साहब से श्री जी की सवारी रासमण्डल के लिये निकली, वैसे ही रास के रचइया की, श्री प्राणनाथ प्यारे के जयकारों से पन्ना नगरी गूंज उठी। उल्लेखनीय है कि श्री प्राणनाथ जी ने सुन्दरसाथ जी को श्री राज जी-श्यामा जी की अलौकिक अखण्ड रासलीला, जागिनी रास का दर्शन कराया था। प्रणामी धर्म का सबसे पवित्र धाम श्री गुम्बट जी मन्दिर जिसका प्रांगण बृह्म चबूतरा कहा जाता है। यहीं पर श्री प्राणनाथ जी ने अपने परम स्नेही सुन्दरसाथ जी को श्री राज जी-श्यामा जी की अलौकिक अखण्ड रासलीला, जागिनी रास का दर्शन कराया था। इसीलिये इसे जागिनी लीला भी कहा जाता है। उसी समय से अन्तर्राष्ट्रीय शरदपूर्णिमा महोत्सव का यहां पर बड़े ही धूमधाम और भक्ति भाव के साथ आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु यहां विराजमान साक्षात अक्षरातीत पूर्णबृह्म के अलौकिक रास के आनंद में सराबोर होते हैं। सोमवार पूनम की रात जैसे ही श्रीजी की भव्य सवारी बंगला जी दरबार साहब से रासमण्डल में आई तो वहां उपस्थित हजारों सुन्दरसाथ अपने पिया के साथ प्रेम रंग में डूब गये।

यह अखण्ड रास का आयोजन पांच दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय शरदपूर्णिमा उत्सव के रूप में रात-दिन चलेगा। शोभायात्रा बृह्म चबूतरे पर ही स्थित रासमण्डल में पधराई गई। श्री राज जी की शोभयात्रा की एक झलक पाने के लिये सुन्दरसाथ बेताब दिखे। देश के कोने-कोने से आये सुन्दरसाथ पारम्परिक वेशभूषा में सुसज्जित अपनी-अपनी बोलियों में भजन-कीर्तन करते नजर आये।

शरद पूर्णिमा पर महिलाओं ने की पूजा, भगवान को चढ़ाए गए मावा के लड्डू

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अक्टूबर। बच्चें के दीर्घायु की कामना को लेकर बड़ी संख्या में महिलाओं ने मंगलवार को शरद पूर्णिमा का व्रत रखा। व्रती महिलाओं ने भगवान जुगल किशोर मंदिर में पहुंचकर भगवान को मावा के बने पेड़े चढ़ाए और पूजा-अर्चना कर बेटों के लंबी उम्र की कामना की। शरद पूर्णिमा पर्व के चलते दोपहर में भगवान जुगल किशोर मंदिर में श्रद्धालु महिलाओं की भारी भीड़ रही।

यहां करीब एक दर्जन पंड़ितों द्वारा श्रद्धालु महिलाओं को पूजा-अर्चना करके शरद पूर्णिमा के व्रत की कथा सुनाई। गौरतलब है कि शरद पूर्णिमा का व्रत महिलाएं बच्चों की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। शरद पूर्णिमा के व्रत धन की देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए भी किया जाता है। व्रत के लिए उपयोग होने वाले मावे का आर्डर पहले ही मावा विक्रेताओं को दे दिया गया था। सुबह से उस मावे के घरों में लाने और मावा के लड्डू और पेड़े आदि बनाने का काम शुरू हो गया। दोपहर में महिलाओं ने धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अर्चना की और भगवान को पेड़े चढ़ाए।

घरों में की पूजा-अर्चना:-इस अवसर व्रती महिलाओं ने मंदिरों के साथ ही घरों में भी पूजा-अर्चना कर सत्यनारायण भगवान को समर्पित कर उनकी पूजा-अर्चना की। सत्यनारायण व्रत महात्म की कथा भी सुनी। पर्व के चलते सुबह से ही मिठाई की दुकानों में खोवा की जमकर डिमांड है।

किशोर जी मंदिर में उमड़ी भीड़

दोपहर में किशोरजी मंदिर में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचीं। इससे पूरी दोपहर मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। यहां एक दर्जन से भी अधिक पंड़ितों द्वारा महिलाओं को पूजा-अर्चना कराई गई। उन्हें शरद पूर्णिमा व्रत महात्म की कथा सुनाई है। मान्यता है कि रात में 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा अमृत की वर्षा करते हैं। इससे रात में खीर आदि को घरों की छतों में रखने की भी परंपरा है। कुछ स्थानों पर शरद पूर्णिमा की रात को दमा, स्वशन संबंधी बीमारियों से संबंधित दवा का भी नि: शुल्क वितरण किया गया। शरद पूर्णिमा पर अन्य दिनों की अपेक्षा मार्केट में अच्छी भीड़ रही। दुकानों में लोग दिनभर खरीदारी करते हुए दिखे।

अखिल भारतीय व्यापारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्प प्रवास पर पहुंचे रैपुरा

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अक्टूबर। अखिल भारतीय व्यापारी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतीया एवं उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता अल्प प्रवास पर मंगलवार को रैपुरा पहुंचे। इस दौरान पन्ना जिले के व्यापारी संघ के लोगों ने जोर शोर से उनका स्वागत किया।

तिथियों के सम्बोधन के पश्चात् तहसील इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण हुआ, स्वागत के उपरांत कैट के जिलाध्यक्ष मनोज केसरवानी द्वारा मंचासीन अतिथियों का शाल श्रीफ्ल से स्वागत उपरांत अतिथियों के समक्ष अपने उद्बोधन में पन्ना जिले के व्यापारियों की ज्वलंत समस्याओं को उठाया। कार्यक्रम में पन्ना जिले की हर तहसील से व्यापारी संगठन के सदस्य रैपुरा पहुंचे थे।

कार्यक्रम में व्यापारियों को बोधित करते हुए अखिल भारतीय व्यापारी संघ के अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि हर उद्देश्य है कि व्यापारियों को हम आर्थिक रूप से व्यापार में आगे कैसे लाए, उनके व्यापार में आधुनिकता लाने, पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखते हुए व्यापार के लिए माहौल तैयार करने, नए कंपटीशन के आने से व्यापार में बने रहने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सीमित पूंजी में कैसे बाजार में बने रहना एवं ग्राहक को अपना बनाए रखना जैसी चुनौतियों से व्यापारियों को ऊपर आना है। अभी व्यापारियों को मिलने वाले 5 करोड़ तक के लोन के लिए गारंटी सुनिश्चित की हुई है। उन्होंने बैंक के साथ व्यापारियों को समरसता बनाए रखने का आग्रह किया ताकि व्यापार में पूंजी की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने कहा कि छोटे छोटे व्यापारियों को इनकम टैक्स भरने का आग्रह किया ताकि व्यापारियों को बैंक से ऋण में आसानी हो सके। इंश्योरेंस का प्लान भी व्यापारियों को सीखना चाहिए। व्यापारी की बचत से पैसे कैसे बनाए यह बातें व्यापारी को समझनी होगी ताकि उसका आधुनिक तौर पर व्यापार आगे बढ़ सके।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में जीएसटी में बदलाव एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिससे ग्राहकों के साथ व्यवसायियों को भी लाभ मिलेगा। योगेश जड़िया (जिला सचिव) द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सागर संभाग प्रभारी संजय अग्रवाल, संभागीय अध्यक्ष सागर निकेश गुप्ता, वर्तमान जिला अध्यक्ष मनोज केशरवानी, जिला सचिव योगेश जड़िया, कार्यक्रम प्रभारी गोविन्द दास असाटी, सहित कई गणमान्य नागरिक एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

डीजल, उर्वरक आदि की कीमत बढ़ने से किसान परेशान

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अक्टूबर। केंद्र व राज्य सरकारें कृषि के उन्नत तरीकों को अपनाकर भले ही कृषि पैदावार बढ़ाने के दावे करती है पर जिले का किसान वर्ग कर्ज मे डूब रहा गया है, किसानों का एक बडा समूह महंगाई व मौसम की मार से परेशान होकर कृषि क्षेत्र से पलायन करने की तैयारी में है। डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढोत्तरी को लेकर किसान खुलेआम यह कह रहे हैं कि मशीनी खेती अब महंगी और कर्ज डुबाने वाली हो गई है, इसलिये किसान के समक्ष हल बैल चलाने प्राचीन तरीके अपनाना या फ्रि खेती से पलायन करना ही विकल्प रह गया है।

बडागांव निवासी महेश का कहना है कि खरीफकी बुआई के शुरूआती दौर मे ही डीजल के दामों में बढोत्तरी से किसान की कमर टूट जायेगी। पहले से परेशान किसान डीजल दरों में वृद्धि के कारण बढ़ी खेती में लागत उसे कृषि कार्य से ही विमुख बढ़ी खेती में लागत उसे कृषि कार्य से ही विमुख कर देगी। उनका कहना है कि डीजल मूल्य वृद्धि से परिवहन लागत भी बढ़ेगी और इसका शीघ्र ही खाद की कीमतों में दिखेगा। बीज खाद पहले से महंगे हैं, अब कुल मिलाकर शुरूआती दौर में ही अच्छी खेती करने के लिये कर्ज का सहारा लेना पडता है मौसम की मार के बाद जब फ्सल बिकती है और कुल हिसाब लगाने पर आमदनी के नाम पर कुछ नहीं बचता, जो लाभ होता था वह अब जुताई की बढ़ी कीमतें भी खत्म कर देगी। कृषक सुनील का कहना है कि डीजल की बढ़ती कीमतों से काफी परेशानी है। उन्होंने बताया कि यहां का किसान मूलत: सिंचाई के लिये मौसम की मेहरबानी पर निर्भर रहता है। शेष सिंचाई के लिये लोगों से पानी खरीदना पड़ता है। बिजली आपूर्ति पर्याप्त न होने पर डीजल पंपों द्वारा सिंचाई की जाती है। अब बढ़ी कीमतों से सिंचाई भी महंगी होगी और पैदावार लागत भी बढेगी, मानसून के इंतजार में बैठे किसान की डीजल मूल्य वृद्धि के कारण फ्सलों की पैदावार को लेकर पूरी गणित ही गड़बडा गई है और वह नए सिरे से अपनी व्यवस्था बनाने में लगा है। आनन फानन में सारी चीजें उसे महंगी मिलेगी और पैदावार की कुल लागत मे लगभग 30 से 50 प्रतिशत का इजाफा होगा। यहां के किसान राज कुमार का कहना है कि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के बाद भी इस क्षेत्र की ओर सरकार का ध्यान न देने से कृषक तबाह हो रहा है, और वह कृषि कार्य से पलायन कर रहा है कृषि की लागत लगातार बढ रही है और आमदनी स्थिर। ऊपर से डीजल मे लगातार की जा रही बढोत्तरी तो कृषक की रीढ ही तोड दी है। इससे उत्पादन लागत तो बढ़ी, लेकिन मुनाफा घटता गया। इन परिस्थितियों मे छोटे मझोले किसान तबाह हो रहे हैं। आज कई ऐसे कृषक है जो कृषि कार्य छोड़कर अधिया में दे चुके हैं। यही स्थिति रही तो एक दिन सिर्फ बडे कृषक ही खेती करेंगे, उनका पूरे क्षेत्र में ठेके या अधिया के माध्यम से कब्जा हो जायेगा और वास्तविकता कृषक सामंती युग की तरह एक मजदूर की भूमिका ही निभायेगा। फ्सल के लिये लागत तो लगानी पडती है वहीं मूल्य स्थिर हैं, उन्होंनें बताया कि किसानों को जो न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है वह पर्याप्त नहीं है।

अब सरकार को चाहिये वह ऐसी कृषि नीति तैयार करें, जिससे डीजल आदि पर कृषकों की निर्भरता घटे, क्योंकि डीजल वृद्धि से खाद उर्वरक भी महंगे होते है और छोटे कृषक इनका प्रयोग नहीं कर पाते, जिससे अजयगढ़ निवासी कमलेश का कहना है कि डीजल पेट्रोल मूल्य का सीधा असर छोटे ओर मझोले किसानों किसानों पर पडा है और उत्पादन लागत बढ़ने से उनकी क्षमता कृषि कार्य करने की नहीं रह गई हैं, वे खेती छोड कर बडे किसानों को ठेके पर अपनी खेत दे रहे हैं। कुल मिलाकर छोटे और मध्यम वर्ग का कृषक कार्य से पलायन कर रहा है। भाडा लागत बढने से कृषि उत्पादन सामानों की कीमतों मे भी इजाफा हुआ, इससे कृषि विकास का ग्राफभी गिर रहा है।

अतिक्रमण की चपेट में नालियां होने से नहीं हो रही गंदे पानी की निकासी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 अक्टूबर। पन्ना शहर में घरों से गंदे पानी निकासी की छोटी नालियां लोगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने से चोक हो रही हैं। जिनसे गंदा पानी आगे नहीं निकलने से मोहल्लों व कॉलोनियों में बदबू का वातावरण बन रहा है। इस कारण आए दिन आपस में विवाद हो रहे हैं, पड़ोसियों का मनमुटाव आपसी मारपीट में तब्दील हो रहा है।

पन्ना शहर के वार्डों के मोहल्लों व कॉलोनियों में नगर पालिका परिषद द्वारा छोटी नालियों का निर्माण कराया गया है। इन नालियों में यह समस्या आ रही है कि लोगों ने नालियों को अपनी बाउंड्री गेट या चैनल के अंदर कर लिया गया है। एक लाइन से दूसरी लाइन जाने वाली नाली को बीच में अवरुद्ध कर दिया है। जिससे गंदा पानी छोटी नालियों में जमा रहता है। कई जगह स्थिति यह है कि जिन लोगों के घर निचले हैं, उनके घरों के अंदर नालियों का पानी जा रहा है। शहर में कॉलोनी अवैध अतिक्रमण होने के कारण यहां से निकली छोटी नालियों का पानी मुख्य नाले तक नहीं पहुंच पा रहा है। पीछे की गलियों में इस तरह अवैध अतिक्रमण किए गए कि लोगों ने अपने शौचालय भी इन्हीं छोटी नालियों में बना लिए हैं। जिससे यहां की नालियों की न तो सफाई हो पा रही है और न ही इन नालियों का गंदा पानी आगे बढ़ पा रहा है। कॉलोनी क्षेत्र में छोटी नालियों पर अतिक्रमण होने के कारण जहां शाम को सबसे ज्यादा मच्छर बढ़ते हैं, जिससे यहां के हर घर में मच्छर जाली वाला दरवाजा मिलता है ताकि घर के अंदर मच्छर प्रवेश न कर पाएं, लेकिन शाम होते ही घर से बाहर निकलने पर मच्छरों की फौज हमला करती हुई नजर आती है।

भक्तों को भक्ति रस प्रदान करना ही रास लीला है : आचार्य गौतम

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अक्टूबर। पन्ना के श्री युगल किशोर मंदिर के दिव्य प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान महोत्सव के पंचम दिवस पूज्य जगद्गुरू रामान्दाचार्य स्वामी, रामभद्राचार्य महाराज के कृपापात्र शिष्य आचार्य आनन्द प्रकाश गौतम चित्रकूट धाम के मुख सु भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला, कालिया गर्व मर्दन, ब्रम्हाजी का मोह, अघासुर, बकासुर, प्रलम्बासुर आदि राक्षसों का उद्धार व दिव्य रासलीला का अनुपम वर्णन किया गया।

रासलीला का वर्णन करते हुए आचार्य के द्वारा वेदों में वर्णित, रसों वै स: मंत्र की व्याख्या करके भगवान के रसरूप का वर्णन किया। भगवान की भक्ति का रस ही भक्तों को प्रदान करने की दिव्य पवित्र अनिवर्चनीय क्रिया को ही रास लीला कहते हैं श्री हनुमान जी महाराज भी राम रसायन तुम्हारे पासा से सबाके राम रस या भगवान की भक्ति का रस ही प्रदान करते हैं।

यह रस पाने के लिए भक्त के ह्दय में अत्यंत मधुर गोपी भाव होना आवश्यक है। तभी तो शिव जी भी रास मे गोपी बनकर आये व भक्तिरस का पान किया। आज की कथा मे भारी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति भक्तों की सनातन के प्रति आस्था को प्रदर्शित करती है। कथा मे मुख्य रूप से राजाराम पाण्डेय, अरविन्द पाण्डेय, मुकुन्द उपाध्याय, गोविन्द विश्वकर्मा, अरूणलता श्रीवास्तव, दिनेश द्विवेदी, आयुष उपाध्याय, हिमांशु विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, पी. डी. अग्रवाल, सुनीता शर्मा, मालती शर्मा, एल. के. त्रिपाठी अर्पित सिंह, राघवेंद्र सिंह, के के मिश्रा, आर के गुप्ता उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूलों में औपचारिकता तक सिमटी पढ़ाई

मूलभूत सुविधाओं का अभाव

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 अक्टूबर। शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बावजूद पन्ना जिले के सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक स्तर में सुधार नहीं हो पा रहा है। शासकीय स्कूलों में पढ़ाई औपचाकिरताओं तक सिमटी नजर आ रही है। यह हालात शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे स्कूल निरीक्षणों में सामने आ रहे स्कूल हकीकत इससे काफी जुदा प्रतीत होती है।

स्कूल षिक्षा विभाग भले ही सरकारी स्कूलों में बेहतर सुविधाएं होने का दावा करता हो मगर हकीकत में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले नौनिहालों को शुद्ध पेयजल तक नसीब नहीं है। बच्चों को अपनी प्यास बुझाने के लिये घरों से पानी लाकर आना पड़ता है। कहने को तो शासन हर साल करोड़ों रूपये सिर्फ स्कूलों की व्यवस्थाएं सुधारने पर खर्च करती है। लेकिन यह पैसा कहां खर्च हो रहा है यह बताने की जरूरत नहीं है एक सर्वे के मुताबिक अंचल में 60 फीसदी से अधिक प्राइमरी मिडिल स्कूलों में पेयजल की भारी किल्लत है। एक ओर केन्द्र षासन षिक्षा अधिकार अधिनियम लागु कर षिक्षा हर बच्चों का अधिकार बनाने का दावा कर रही है वहीं प्रदेष के सरकारी मिडिल प्राइमरी स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का भारी अभाव है। जीने के लिए सबसे जरूरी वस्तु शुद्ध जल तक नौनिहालों को नसीब नहीं है। जब शहर के कुछ स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की हकीकत जानने के लिए निरीक्षण किया तो सारी व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। कहीं पीने के लिये शुद्ध पेयजल का अभाव था तो कहीं छात्राओं के लिये शौचालय नहीं थे। यहां तक कि बैठने की साफ जगह भी नौनिहालों को नसीब नहीं थी। स्कूलों के बाहर बडे-बड़े बोर्ड लगे हुए थे जिन पर सर्व षिक्षा अभियान, स्कूल चले हम जैसे वाक्य लिखे हुए थे। अधिकांष स्कूलों में शुद्ध पेयजल का अभाव था।

निर्धारित मापदंड के विरुद्ध खुलते जा रहे नर्सिंग होम व क्लीनिक

नहीं होती कभी जांच पड़ताल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 अक्टूबर। नर्सिंग कालेजों की ही तरह या उससे भी तीव्र गति से अब नर्सिंग होम भी खुल रहे हैं। शहर में जहां भी देखो वहां आये दिन कोई न कोई नया नर्सिंग होम खुल रहा है। कहने के लिये भले ही शासन द्वारा नर्सिंग होम्स खोलने के लिये कानून व नियम बना रखे हों। किन्तु उन नियमों व कानूनों का कितना पालन होता है यह जांच का विषय है।

केवल एमपी आनलाईन में रजिस्ट्रेशन का आवेदन कर देना और निरीक्षण के दौरान ले देकर अनुमति प्राप्त कर लेना ही सफ्लता नहीं हो सकती। किन्तु सवाल यही है कि एक बार यदि दुकान चल जाती है तो फ्रि वह इसलिये चलती रहती है क्योंकि कोई देखने वाला नहीं होता। आज तक कभी देखा गया कि नर्सिक होम्स के खिलाफभी विभाग के स्तर से कोई जांच हुई हो।

जांच हो तो मिलेंगी अनगिनत कमियां:- क्या निजी नर्सिंग होम्स में पर्यावरण प्रदूषण सेफ्टी के नियमों का पालन किया जाता है? क्या किसी नर्सिंग होम में पार्क, हरियाली के पर्याप्त प्रबंध किये जाते हैं। क्या किसी निजी नर्सिंग होम में पर्याप्त खाली स्थान उपलब्ध है। इसी प्रकार फायर सेफ्टी को लेकर क्या सभी नर्सिंग होम नियमों का पालन कर रहे हैं? क्या उनके पास नगर पालिका से जारी एनओसी उपलब्ध है? क्या फायर सेफ्टी की शर्तों का पालन वहां पूरी तरह से हो रहा है? क्या रेडियेशन सेफ्टी को लेकर नर्सिंग होम्स में पर्याप्त व्यवस्था है? क्या भवन से लेकर छत और आसपास कभी इस बात का परीक्षण किया गया कि रेडियेशन का प्रभाव कितना है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि रेडियेशन का घातक प्रभाव वहां मौजूद हो किन्तु गुमराह करने के लिये केवल सूचना टांग दी गई हो कि यहां रेडियेशन से खतरा हो सकता है।

इस तरह की जांच केन्द्र की एटोमिक एजेंसी ही कर सकती है। किन्तु इस मामले में न तो कभी सरकार ध्यान देती और न ही स्वास्थ्य विभाग, इसलिये कई दुकाने खुल रही हैं। अब तो स्थिति यह बन चुकी है कि रिहायसी क्षेत्रों में कालोनियों में सीटी स्केन, एक्सरे से लेकर पता नहीं कौन कौन सी तकनीक शुरू हो चुकी है जो बिना रेडियेशन के संभव ही नहीं है। ऐसी स्थिति में जांच केन्द्रों की स्थापना भी निर्धारित मापदण्डों के अनुसार होनी चाहिये और समय-समय पर सरकार की सक्षम एजेंसियों से जांच की करवाई जानी चाहिये। किन्तु ऐसा कुछ होता ही नहीं। इसी प्रकार पीएनडीटी सर्टीफ्किेट,नगरीय निकाय की एनओसी आदि को भी आवश्यक समझा जाना चाहिये। नर्सिंग होम्स की भी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिये जहां स्थानीय अधिकारियों को शामिल न किया जाय।

मिल गया किराए का भवन, खुल गई नर्सिंग होम की दुकान

संचालन तो कई बार किराये के भवनों में शुरू हो जाता है। भले ही वहां पार्किंग की पर्याप्त जगह न हो, भले ही नार्म्स के अनुसार कमरे न हो, आवश्यक सुविधायें व संसाधन न हों। फ्रि भी यदि इस पेशे से जुड़े किसी व्यक्ति ने व्यावसायिक दृष्टि से ठान लिया तो वह दुकान खड़ी कर लेता है। कई बार तो यह भी नहीं सोचा जाता कि अनुमति भी लेनी पड़ती है, लाईसेंस भी लेना जरूरी है। केवल बाहरी प्रदर्शन करने या प्रचार करने भर से काम नहीं चल सकता। किन्तु सिस्टम ही ऐसा है जहां नर्सिंग की दुकान चलाना यहां कठिन नहीं है। किन्तु कार्रवाई तो तब होती है जब सरकार चाहे और ऐसा कभी संभव भी नहीं हो सकता। इसलिये फ्रि अंतिम विकल्प होता है अदालत का आदेश। जनहित याचिका दायर करना और कोर्ट की निगरानी में कार्रवाई प्रारंभ होना। कहने का मतलब है कि नर्सिंग होम्स को लेकर भी स्थितियां ठीक नहीं हैं। चूंकि यहां की मानसिकता उपचार नहीं बल्कि मरीजों व उनके परिजनों को मनमानी तरीके से लूटना है। इसलिये नर्सिंग कालेजों की तरह अब नर्सिंग होम्स की भी जांच होनी चाहिये। उन्हें भी दायरे में रहकर सेवा की भावना से काम करने के लिये प्रेरित किया जाना चाहिये। ताकि जनता को राहत मिले और वह लुटने से बच सके।

रामचरित मानस सम्मेलन पवई के तीसरे दिन श्रोताओं की भारी भीड़

अयोध्याधाम फलाहारी महाराज विदुशी रेखा ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

नवभारत न्यूज

पवई, 7 अक्टूबर। हनुमान भाटा के हनुमान जी एवं मां कलेही की मंदिर के लिए प्रसिद्ध पवई नगर में आज 04 अक्टूबर से 08 अक्टूबर तक पांच दिवसीय श्री राम चरित मानस सम्मेलन का आयोजन नगर के प्रसिद्ध जगदीश स्वामी मंदिर प्रांगण में शायं 7रू00 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक प्रतिदिन चल रहा है।

अयोध्या धाम से पधारे संतश्री धर्मदास फ्लाहारी महाराज एवं आगरा से विदुषी श्रीमती रेखा जी की मधुर ओजस्वी वाणी ने श्रीराम जी के जीवन पर आधारित मर्म स्पर्शी ह्दय को छूने वाली शैली एवं मधुर वाणी से सभी श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया ।मानव कल्याण के लिए लाभप्रद धर्म रूपी अमृत वर्षा 50 वर्षों के अधिक समय से पवई नगर में चल रही । श्री रामचरित मानस सम्मेलन की अमृत वर्षा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले किशोर प्रसाद खरे ए स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद पटेल एडवोकेट ए अरुण कुमार लटौरिया एडवोकेट ए डॉक्टर रमेश कुमार बहरे ए स्व0 डॉक्टर एसपी जायसवाल संतोष कुमार श्रीवास्तव एपं0 राम गोपाल पांडेय एराम अवतार पाठक ए सहित नगर के पचासों लोगों के सहयोग से अभी तक श्रीराम चरितमानस सम्मेलन का आयोजन को सक्रिय रूप कराया जा रहा है ।

श्री राम चरित मानस ग्रंथ पर आधारित प्रसिद्ध मानस मर्मज्ञ ए बुद्ध जीवियों एसंतो एवं प्रसिद्ध विदुषियों की मधुर वाणी से भगवान श्री रामचंद्र की संपूर्ण जीवनी पर आधारित प्रवचन और लोक कल्याण के लिए आवश्यक नियमों ए अनुशासन , सांस्कृतिक धरोहर ए एवं भारतीय संस्कृति को मानव जीवन में स्थापित करने हेतु धार्मिक विषय विशेषज्ञों के द्वारा भगवान श्री राम के प्रेरक प्रसंग से समाज में अच्छे आदर्श की स्थापना की जा रही है श्री रामचरितमानस सम्मेलन की व्यवस्थाओं एवं अन्य तैयारी मे श्री राम चरित मानस लोक कल्याण समिति पवई अध्यक्ष बृजेश नगायच पवई ए राम गोपाल पांडेय सचिव ए राकेश कुमार खरे उपाध्यक्ष ए सूरज प्रसाद सोनी कोषाध्यक्ष ए श्रीमती मोहिनी आनंद मिश्रा अध्यक्ष जनपद पंचायत पवई बसंत दहायत अध्यक्ष नगर परिषद पवई सुश्री निधि पटेरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष पवई किशोरी लाल उपाध्याय शिक्षक ए एडवोकेट अरविंद कुमार नगायच अध्यक्ष सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पवई व्यवस्थापक भवानी प्रसाद पटेल एवं पवई नगर के नवयुवक गणमान्य नागरिक व्यवस्थाओं में लगे हुए हैं । व्यवस्थापक मंडल एवं पवई नगर वासियों ने सभी श्रोताओं एवं भक्तजनों से आग्रह किया है कि आज से दो दिन मात्रा बच्चे हैं सभी लोग मुख्य वक्ता अयोध्या धाम श्रीमान धर्मदास जी फ्लाहारी महाराज एवं विदुषी श्रीमती रेखा जी की मधुर ओजस्वी वाणी से वरष रहे अमृत रूपी प्रवचनों से अपना आत्म कल्याण करें और समाज में सकारात्मक विचारों को भगवान श्री राम के आदर्शों को आगामी पीढ़ी तक पहुंचने में सहयोग करें ।

आगामी पीढ़ी तक भगवान श्री राम के आदर्शों को पहुंचाने के लिए परिवार सहित अपने बच्चे बच्चियों को अवश्य लेकर आए यह हमारी परिवार में रहते हुए पहली प्राथमिक आवश्यकता है ।

दीपावली पर्व पर आतिशबाजी विक्रय के लिए एसडीएम जारी करेंगे सशर्त अनुज्ञप्ति

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अक्टूबर। जिला कलेक्टर द्वारा आगामी दीपावली पर्व पर अस्थाई आतिशबाजी विक्रय के लिए समस्त एसडीएम को अपने अनुविभाग अंतर्गत सशर्त ऑनलाइन अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। आतिशबाजी को सुरक्षित एवं अज्वलनशील सामग्री से बने शेड में रखना होगा। अस्थाई दुकानें एक दूसरे से तीन मीटर की दूरी पर तथा किसी संरक्षित स्थलों से 50 मीटर की दूरी पर होना आवश्यक है।

अस्थाई शेड एक दूसरे के आमने सामने नहीं होना चाहिए। किसी एक क्लस्टर में 50 से अधिक दुकानें लगाने की अनुमति नहीं होगी। शेड का झुकाव भी एक दूसरे के आमने सामने नहीं होगा। आतिशबाजी का किसी शेड के 50 मीटर के भीतर प्रदर्शन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। साथ ही दीपावली के समय तीन मीटर के गैप में भी आतिशबाजी का भण्डारण असुरक्षित होने से नहीं किया जाएगा। निर्धारित शर्तों में दुकान का साइज बढ़ाने, बाजू की अन्य दुकानों में भण्डारण तथा मात्रा से अधिक स्टॉक पर प्रतिबंध की शर्त को भी शामिल किया गया है। दुकान के नक्शे सदैव उपलब्ध रखना जरूरी है। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशानुसार पटाखों का विक्रय सुनिश्चित करना होगा। अस्थाई अनुज्ञप्ति प्राप्त दुकानों के अंदर आतिशबाजी को रखने के लिए लकड़ी के रैक व दुकानों के आगे कपड़ों के शामियानों और टेंट का उपयोग न कर टीन शेड का उपयोग अनिवार्य किया गया है। अनुज्ञप्ति के आधार पर दुकान में आतिशबाजी का वजन व मात्रा निर्धारित प्रारूप के अनुसार होना चाहिए। इस दौरान यह भी ध्यान रखा जाएगा कि सुरक्षा दूरी के अंदर एवं दुकानों के प्रकाश के लिए किसी प्रकार के तेल लैम्प, गैस लैम्प व खुली बिजली की बत्तियों का प्रयोग न हो।

बिजली लाइन के उपयोग पर दीवार व छत पर इसे दृढ़ता से लगाना आवश्यक है। किसी प्रकार के तार लटके होने की स्थिति न बने। बत्तियों के लिए दीवार पर स्विच जरूरी है तथा एक पंक्ति की सभी दुकानों के लिए मास्टर स्विच लगाना अनिवार्य होगा। विस्फोटक नियम 2008 के नियम 83(3) के तहत आतिशबाजी की दुकान का क्षेत्रफल 9 वर्गमीटर से कम तथा 25 वर्गमीटर से अधिक नहीं होना चाहिए।